मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने वाला यूटीयू एक मात्र विश्वविद्यालय : कुलपति

पत्रकारों से वार्ता करते कुलपति प्रो.ओंकार सिंह।

■ निर्धारित नियमों के तहत विवि में अनियमितता संबंधी आरोपों को किया खारिज

देहरादून(एसएनबी)। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने कथित अनियमितताओं व भ्रष्टाचार के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विवि ने कहा कि सत्र 2022-23 से यूएमएस पोर्टल के अन्तर्गत छात्रों के लिए एकल खिड़की प्रवेश, पंजीकरण, छात्र उपस्थिति मॉनीटरिंग, परीक्षा आवेदन, ऑनस्क्रीन मूल्यांकन, परीक्षाफल निर्माण समेत सभी कार्रवाई नियमों के तहत की जा रही है।

मंगलवार को विवि परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने कहा कि हर गतिविधि व कार्रवाई निर्धारित नियमों के तहत की जा रही है। 2022 से पूर्व विवि के पास कोई एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म नहीं था। समय-समय पर किश्तों में सॉफ्टवेयर का उपयोग कर परीक्षाफल तैयार किया जाता था। उन्होंने कहा कि पूर्व के डाटाबेसों का सम्पूर्ण स्थानान्तरण न होने के कारण कुछेक छात्रों के परीक्षाफल में त्रुटियां हुई। मामला संज्ञान में आने पर तत्काल कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अंकतालिका व उपाधि वितरण की जिम्मेदारी संस्थानों को दी गई है। संस्थान के निदेशक द्वारा प्रमाणीकृत करने के बाद ही अंकतालिका जारी की जाती है। उन्होंने कहा कि विवि में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन वर्ष 2023 से ऑनस्क्रीन डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। शिक्षक को ऑनस्क्रीन मूल्यांकन के लिए लॉगइन आईडी व पासवर्ड पूर्णतया गोपनीय रूप से संबंधित शिक्षक की ई-मेल पर भेजी जाती है। विवि द्वारा 2022-23 सत्र से परीक्षा मूल्यांकन में पारदर्शिता के उद्देश्य से मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं ऑनलाइन प्रदर्शित कर रहा है। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका दिखाने वाले यूटीयू एक मात्र विवि है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा फर्जी नाम से शिकायत दर्ज कराकर विवि की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में परीक्षा नियंत्रक डा. बीके पटेल समेत अनेक लोग मौजूद थे।